गाँधी भवन

दिल्ली विश्वविद्यालय

२ अक्टूबर २०१६

महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जयंती कार्यक्रम रिपोर्ट

बापू तथा शास्त्री जी को सश्रद्ध नमन!

दिल्ली विश्वविद्यालय के गाँधी भवन में २ अक्टूबर २०१६ को बापू - लाल बहादुर शास्त्री जी को भावभीनी श्रद्धान्जलि अर्पित करने के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया I आज के कार्यक्रम का आरंभ महात्मा गाँधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री शास्त्री जी को दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रोफेसर योगेश त्यागी तथा अन्य विशेष अतिथियों द्वारा पुष्पांजलि से हुआ I

गाँधी भवन की निदेशिका ने स्वागत भाषण में माननीय प्रोफेसर योगेश त्यागी तथा उपस्थित विशिष्ट अतिथियों तथा सभी विद्यार्थियों का गाँधी भवन में स्वागत करते हुए गाँधी भवन के कार्यक्रमों के बारे में संक्षेप से बताया I बापू जी तथा शास्त्री जी को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने गाँधी भवन में 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' अभियान के अन्तर्गत इस सप्ताह गाँधी भवन में आयोजित कार्यक्रमों से सबको अवगत कराया I 'खेल खेल में स्वच्छता', 'सड़क सुरक्षा और प्राथमिक चिकित्सा', 'आयुर्वेद चिकित्सक के साथ परामर्श' तथा स्वच्छता संबंधी 'नुक्कड़ नाटक' इस सप्ताह के कुछ मुख्य आयोजित कार्यक्रम थे I

दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू कॉलेज से सेवानिवृत डॉ सीता बिंबरह्व ने हरिजन समाज सेवक के स्कूल के विद्यार्थियों के साथ 'चल चल चल मेरे चरखे प्यारे …..' तथा गाँधी जी के प्रिय भजन प्रस्तुत करने के पश्चात बापू - लाल बहादुर शास्त्री को भावसुमनांजलि अर्पित की I उसके पश्चात् रामकृष्णा मिशन के स्वामी सत्य स्वरूपानंद जी ने गाँधी जी के 'सत्य के प्रयोग' पर बेहद उपयोगी प्रवचन किया I सर्व धर्म प्रार्थना के अन्तर्गत विभिन्न धर्मों की प्रार्थनाएं प्रस्तुत की गई जिस का आनंद सभी उपस्थित अतिथियों ने उठाया I

दिल्ली विश्वविद्यालय के सी. आई. ई. के एक्सपेरिमेंटल बेसिक स्कूल के विद्यार्थियों ने एक छोटे से नाटक के द्वारा गाँधी जी के माध्यम से देश से गरीबी, बेरोज़गारी, कुपोषण तथा भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए सबका सहयोग मांगा जो दिल को छू गया I

इसके बाद बेबी रीत देवगन के देश भक्ति गीतों तथा भजनों ने सबका मन मोह लिया I

आगे का कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थी अचल विशाल के 'वैष्णव जान तो तेने कहिए …….' और अन्य भजनों के साथ आगे बढ़ा जिसमें तबले तथा बांसुरी पर साथ भी संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने दिया I सबने बहुत प्रेम से संगीत का आनंद लिया I

'रामधुन' से पहले माननीय प्रोफेसर योगेश त्यागी ने शाँति सन्देश में बापू जी तथा शास्त्री जी को भावभीनी श्रद्धान्जलि देते हुए बहुत ही सरल शब्दों में इन महापुरुषों के सपनों को पूरा करने का सन्देश दिया और कहा कि हमें सत्य के मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए I उन्होंने बापू गाँधी तथा शास्त्री जी के जीवन के कुछ प्रसंगों पर प्रकाश डाला, दोनों महापुरुषों के जीवन की समानताओं का व्याख्यान करते हुए प्रोफेसर त्यागी ने कहा कि दोनों का जीवन बहुत ही सरल तथा सत्य के मार्ग पर चलने वाला था I अच्छा अथवा बड़ा बनने के लिए प्रोफेसर त्यागी ने चार बहुमूल्य मन्त्र सबके समक्ष रखे जिनका पालन करना भी बहुत आसान है: झूठ नहीं बोलना चाहिए, दूसरों के प्रति बुरा भाव नहीं होना चाहिए, स्वार्थी नहीं होना चाहिए एवं सबको साथ लेकर चलना चाहिए I उन्होंने सबको गाँधी भवन के विभिन्न कार्यक्रमों में अधिक से अधिक भाग लेने को प्रेरित किया I

कार्यक्रम के अंत में माननीय प्रोफेसर त्यागी ने विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट्स वितरित किए तथा उनको भविष्य में भी गाँधी भवन के कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया I

कार्यक्रम समाप्त होने के पश्चात्त भी गाँधी भवन देश भक्ति के गीतों तथा भजनों से गूँजता रहा I

जयहिंद!

प्रोफेसर अनीता शर्मा
निर्देशिका (मानद)
गाँधी भवन
दिल्ली विश्वविद्यालय

बापू - लाल बहादुर शास्त्री भावसुमनांजलि - २ अक्टूबर २०१६

बापू - लाल बहादुर शास्त्री भावसुमनांजलि - २ अक्टूबर २०१६

बापू - लाल बहादुर शास्त्री भावसुमनांजलि - २ अक्टूबर २०१६

बापू - लाल बहादुर शास्त्री भावसुमनांजलि - २ अक्टूबर २०१६

बापू - लाल बहादुर शास्त्री भावसुमनांजलि - २ अक्टूबर २०१६

बापू - लाल बहादुर शास्त्री भावसुमनांजलि - २ अक्टूबर २०१६

बापू - लाल बहादुर शास्त्री भावसुमनांजलि - २ अक्टूबर २०१६

बापू - लाल बहादुर शास्त्री भावसुमनांजलि - २ अक्टूबर २०१६

बापू - लाल बहादुर शास्त्री भावसुमनांजलि - २ अक्टूबर २०१६

बापू - लाल बहादुर शास्त्री भावसुमनांजलि - २ अक्टूबर २०१६